RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 42 अंक 24 हल्द्वानी सम्वत् 2083 सोमवार 16 नवम्बर 2026 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया



चुनाव से पहले उधेड़बुन में नेता

आरोप लगाने, छुड़ाने, बिछने, बिछाने तक....

कार्यालय प्रतिनिधि

- **बोतल से नये-नये जिन्न निकल कर बाहर आने लगे हैं, मचान तूफान**
- **अंकिता मामले को लेकर हर सुराग की तलाश और खतरों का खेल**
- **हरक रावत की जीवन लीला पर सवाल ही सवाल, गुस्से में हैं लाल**
- **मंत्री रेखा आर्य और गिरधारी की लीला ने भी मचाई है उथल-पुथल**
- **कौन आकर किसका नाम लेने लगेगा पता नहीं, चुनाव का भड्डू गरम**
- **द्वाराहाट के पूर्व विधायक महेश नेगी ने कोटगाड़ी मन्दिर में घात डाली**
- **नये-पुराने कई नेताओं का नाम लपेट में, बेशर्मी से सोशल मीडिया भरा**

विधानसभा चुनाव से पहले उत्तराखण्ड प्रदेश में उधेड़बुन में नेतागण फंसते दिखाई दे रहे हैं। राज्यभर में राजनीति के नाम पर जितनी गन्द मच चुकी है उसमें आरोप लगाने, छुड़ाने, बिछने, बिछाने तक का नजारा दिखाई दे रहा है। बड़े कद के माने जाने वाले नेता खुलेआम कह रहे हैं कि पोलपट्टी खोल देंगे। इसका मतलब तो यही निकलता है कि एक-दूसरे की बहुत कुछ गड़बड़ जानने वाले जानबूझ कर चुप थे और अब चुनाव मौके पर बोलने लगे हैं। ऐसे में हो सकता है कि कई मामलों में अन्दरखाने एक-दूसरे को बचाने के लिये समझौता भी कर लिया जाए।

प्रदेश में जिस प्रकार से मामलों की उलझन देखी जा रही है उसकी किसी को कल्पना भी नहीं थी। नये पुराने मंत्री विधायकों, नेताओं के नाम की लपेट दिख रही है और बेशर्मी से सोशल मीडिया भरा हुआ दिखाई देता है। न जाने कितने प्रकार के मामले हैं और कितने लोगों के तार गड़बड़ी में जुड़े हैं। बोतल से नये-नये जिन्न निकल कर बाहर आने लगे हैं। अंकिता मामले को लेकर हर सुराग की तलाश की मांग है और कहा जा रहा है कि अब भी यह खतरों का खेल बना हुआ है। पूर्व मंत्री और दबंग नेता हरक रावत की जीवन लीला पर सवाल ही सवाल उठ रहे हैं और हरक सिंह भी गुस्से में लाल हो चुके हैं। मंत्री रेखा आर्य और गिरधारी की लीला ने भी उथल-पुथल मचा रखी है।

2027 के चुनाव से पहले कौन किसका नाम लेने लगेगा पता नहीं है, इसे चुनाव का गरम भड्डू कहा जा रहा है। एक-दूसरे की ढकी-दबी उघाड़ने के लिये खुलकर मोर्चा लिया जा रहा है। इस बीच द्वाराहाट के पूर्व विधायक महेश नेगी भी कोटगाड़ी मन्दिर जाकर घात डाल चुके हैं। उनका कहना है कि उनके खिलाफ षड़यन्त्र रचने वालों को कोटगाड़ी देवी दण्ड देगी।

कांग्रेस की ओर से सबसे तीखे बोलों के साथ हमलावर हुए पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत पर जैनी मामले को लेकर हुए हमले से वह बहुत परेशान दिखाई दे रहे हैं। हरक ने पहले ही देवी-देवताओं की कसम खाते हुए आंसू रोते सफाई देनी शुरू कर दी थी। आसाम से देहरादून आकर जैनी नामक महिला ने हरक पर गम्भीर आरोप लगा डाले और कहा मेरे बेटे का हरक सिंह रावत के डीएनए से मिलान हो, कांग्रेस शासन काल में मुझे डरा कर चुप कराया गया था। जैनी ने कहा मैं 16 साल की थी, नौकरी के बहाने मेरे साथ दुष्कर्म किया

शेष पृष्ठ 2 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

नैतिकता की बात करने वाले ही पलीता लगा रहे हैं

उत्तराखण्ड में आरोपों के घेरे में आ रहे नेताओं को देखते हुए यह तो स्पष्ट हो चुका है कि राजनीति घपलच्यू में इज्जत-आबरू जैसी बातें कोई मायने की नहीं हैं। न जाने कितने बड़े नेता हैं जो पाकसाफ तो दिखाई दे रहे हैं लेकिन उनकी कमजोरी ने कितनों को तार-तार किया हो। सत्ताबल-शक्तिबल के साथ शोषण करने वालों के कई दुखद अन्त जमाने ने देखे हैं। सालों-साल तक अपनी करनी को ढकने वाले एक दिन लाचार हो ही जाते हैं।

कुछ ऐसी ही लाचार प्रदेश के कतिपय नेताओं में दिखाई दे रही है। एक ओर उन्हें अपनी जिन्दगी भर रही पद-प्रतिष्ठा का ताप दिखाई दे रहा है, दूसरी ओर अपने कृत्यों के लिये वह फड़फड़ा रहे हैं। राजनीति के दलदल में फंसना एक बात है परन्तु अपनी हबस के लिये मनमर्जी करना घोर पाप है। कई नेताओं के किस्से वर्तमान में खूब सुनाई दे रहे है और कुछ के नाम तो आरोपों के साथ सार्वजनिक हैं। आश्चर्य होता है कि तमाम तरह के आरोपों से घिरे ऐसा नेता फिर भी लगातार नैतिकता का पाठ पढ़ा रहे हैं। नैतिकता की बात करने वाले ही जब पलीता लगा रहे हैं तो कैसे मान लें कि सब कुछ ठीक चल रहा है और आगे भी ठीक ही चलेगा। क्या इस न्याय को ईश्वर के हवाले छोड़ दिया जाए। यह भी तय है कि अन्ततः ईश्वर का न्याय मिलता जरूर है। उत्तराखण्ड की मंत्री रेखा आर्य की दबंगता सबने देखी है लेकिन आज वह अपने व्यूह में फंसकर रह गई हैं। हरक सिंह रावत ने अपनी ताकत के बल पर हर प्रकार की जोर-जबर्दस्ती हमेशा की है, जो चारों ओर से घिरते जा रहे हैं। अंकिता हत्याकाण्ड मामले में जिन नेताओं के नाम लिये जा रहे हैं वह भले ही कितना कुछ कर लें उनका मन डरा हुआ है। वह बड़े नेता भी अन्दर से दुर्बल हो चुके हैं जो अपनी जवानी में अय्याशी करते रहे हैं। याने की अपनी करनी का परिणाम विधाता के विधान अनुसार जरूर मिलता है। सत्ता होना या न होना व्यवस्था भर है लेकिन अपनी करनी का अन्त अपने पर झेलना होता है, इस सत्य को हम सभी ने समझना चाहिये।



फसक

दाज्यू, मलमल के नहाने वाले नेता खटमल ही ठैरे

राजनीति के खेल में नंग्योई और भुत्योई होती है बल

दाज्यू, जमन दा पगली गया है। कह रहा था- 'मैं भी काण्ड करूंगा। नाच करूंगा और बयान भी दूंगा। चुनाव भी लड़ना है।' दाज्यू, जमन दा को कौन समझाए कि सुन्दरकाण्ड, हनुमानचालिसा, रामायण पाठ करना और 'काण्ड' करने में कितना बड़ा अन्तर है। मलमत के नहाने वाले नेता खटमल ही ठैरे। धमकाकर और सताकर रास-मास करने वालों का अदीन तो आता ही है। सबको पता है कि राजनीति के खेल में नंग्योई और भुत्योई होती है बल।

तराई में रहने वाला बबीन्दर सिंह भी विधायक का चुनाव लड़ने को तैयार है। शहर में पोस्टर-बैनर के साथ दीपावली की मिठाई बांटते हुए बबीन्दर कह रहा था- 'प्रदेश का विकास करना है। शिक्षा का केन्द्र, होमस्टे, चकाचक सड़क, महिला सुरक्षा और रोजगार सबकुछ होगा।' दाज्यू, महिला सुरक्षा पर तो बहुत कुछ हो ही रहा है, पुरुष सुरक्षा पर भी विचार होता तो ठीक ही था। नेता-अभिनेता सब डड़ाडाड़ कर रहे हैं। आने वाले दिनों में पता नहीं कौन किसके पास बच्चा लेकर रतजगा करने लगे।

दाज्यू, हरक सिंह कह रहे हैं- 'भाजपा ने दीपावली के मौके पर जिस प्रकार से उस लड़की (जैनी) को बुलाकर मुझे गिफ्ट दिया है, उससे मुझमे और स्फूर्ति आ गई है। 2003 में सीबीआई और डीएनए टेस्ट हो चुका है।' दाज्यू, जमन दा की क्या कहें, लगता है सभी पगली रहे इन दिनों में। देहरादून में मासूम से दुष्कर्म करने वाले शिक्षक को उम्रकैद हुई है। दोषी अर्जुन गुप्ता आठ साल की मासूम बच्ची को गिटार सिखाने के बहाने शोषण करता था बल। 2024 में बसन्त विहार थाने में इसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई थी, अब जाकर साक्ष्य जुटाने के साथ ही सजा हुई है।

कितने की यत्न कर लो, इस जतन की कोई गारन्टी नहीं है। किसको किस दौर में क्या मिल सकता है, यह अनुमान लगाना भी कठिन है। सरकार ने लोकरत्न पुरस्कार भी दिये हैं। दाज्यू, बहुत अच्छा लगता है जब कोई रत्न दिखाई दे। उत्तराखण्ड हाईकोर्ट ने बदरीनाथ मन्दिर के चन्दा चोरी प्रकरण से जुड़े मामले में आरोपी प्रमोद नौटियाल की जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। कई शर्तों के साथ अदालत ने मंजूरी दी है। दाज्यू, दीपावली में गिफ्ट लेने के लिये पत्रकारों की भीड़ लग गई थी। मोबाइल लेकर भुनभुनाट करती भीड़ में गिफ्ट देने वाले भी गजबजाट में पड़ गये थे। पत्रकार रौनक सुतली बम लेकर घूम रहा है। उसका इरादा है चुनाव की घोषणा के समय बम का धमाका किया जाए। दाज्यू, खटमल और नेताओं का कुछ अंदाजा नहीं है। दीपों की ताप बनी रहे।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

चुनाव से पहले.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

गया। कहा यह केस फिर से खोला जाए और सच्चाई सामने हो। इस बीच हरक सिंह की पत्नी ने भी सोशल मीडिया पर आकर परिवार में तनाव की बात करते हुए उन्हें अनावश्यक दु:ख देने वालों को सावधान रहने को कहा। हरक की पत्नी दीप्ति रावत ने कुछ मीडिया चैनलों में जसवीर कौर उर्फ सोनिया आनन्द रावत को हरक सिंह रावत की पत्नी बताए जाने पर नाराजी जताते हुए कहा कि इससे उनके परिवार की छवि को दाग लगा है, वह अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे। फिलहाल हरक सिंह की आफत मची हुई है। भाजपा विधायक आशा नौटियाल का कहना है कि हरक सिंह अर्नगल बयानबाजी कर उनकी छवि धूमिल कर रहे हैं। जेनी प्रकरण में तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष ने जाँच को कमेटी बनाई। इसमें अध्यक्ष के साथ तीन पुरुष और दो महिला विधायक थी। कोई भी अपनी मर्जी से वहाँ नहीं गए। तब भी यही आरोप लगाए जा रहे थे, जो आज लग रहे हैं। जेनी के बयान से पूरा मामला स्पष्ट हो रहा है।

मंत्री रेखा आर्य और उनके पति गिरधर का झगड़ा यह तो सिद्ध कर ही चुका है कि राजनीति और इसकी आड़ में कितनी बड़ी घपलत हो सकती है। रेखा द्वारा गिरधारी पर जातिसूचक टिप्पणी, मारपीट और उत्पीड़न समेत गम्भीर आरोपों के मामले में पुलिस ने गिरधारी को झांसी (यूपी) से गिरफ्तार किया। मामला दर्ज होते ही गिरधारी गायब था और अपनी जमानत का प्रबन्ध करने लगा था। पुलिस द्वारा तीन बार नोटिस भेजे गये लेकिन वह पेश नहीं हुआ। न्यायालय से गैर जमानती वारंट के साथ दबोचा। मंत्री रेखा का आरोप है कि गिरधारी ने अपनी पहली शादी की जानकारी छिपाकर उनसे विवाह हिकया। इसके अलावा कथित तौर पर फर्जी हस्ताक्षरों के द्वारा उन्हें कम्पनियों के निदेशक पद से हटाया। गिरधानी ने भी रेखा पर करोड़ों की सम्पत्ति और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। देखने में यह पूरा मामला पति-पत्नी का झगड़ा है लेकिन इतनी बड़ी सम्पत्ति इन लोगों के पास कैसे आई और यह सब क्या हो रहा था, जनता सवाल कर रही है और राजनीति करने वाले अपने पक्ष में ओढ़ना बिछाना कर रहे हैं।

पूर्व लोकसभा सांसद प्रदीप टम्टा ने मंत्री रेखा आर्य को घेरते हुए सवाल उठाया कि अनुसूचित जाति समाज के लोगों पर अत्याचार और महिलाओं के साथ गम्भीर अपराधों के मामलों पर जिस चुप रहने वाली मंत्री ने स्वयं पर आरोप लगाने के बाद एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम और महिला उत्पीड़न के मुद्दे क्यों उठाए जा रहे हैं। श्री टम्टा ने कहा है कि जिन घटनाओं को सामाजिक न्याय के नजरिये से देखने की जरूरत है, उनमें अल्मोड़ा के भिकियासैंण में अन्तर जातीय विवाह करने वाले जगदीश चन्द्र की सितम्बर 2022 में हुई हत्या का मामला प्रमुख है। इसी तरह चम्पावत में अनुसूचित जाति की युवती बबीता विश्वकर्मा की मई 2023 में हुई हत्या, पौड़ी के सांगुड़ा सेरा में दलित जोड़े को मन्दिर में विवाह से कथित रूप से रोके जाने की घटना और उत्तरकाशी के मोरी क्षेत्र में मन्दिर में प्रवेश को लेकर दलित युवक आयुष के साथ मारपीट का मामला भी जातिगत भेदभाव के सवाल खड़े करता है। इन सभी ममामों में चुप्प रहने वाली मंत्री अपने उत्पीड़न का रोना रोकर राजनीति कुचक्र रच रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने रेखा साहू प्रकरण पर कहते हैं कि यह सब पर्दा डालने की कोशिश है। जब मंत्री पर 210 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार का आरोप है तो उसकी उच्चस्तरीय जाँच होनी चाहिये। हरदा ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह यदि उनके किसी घोटाले का प्रमाण दें तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा।

नेताओं की पोल-पट्टी में स्वर्गीय नेताओं, पूर्व विधायक-मंत्रियों से लेकर उनके छुटभैयों के नामों का जाप भी हो रहा है। सोशल मीडिया पर गरजने वाली महिला भावना पाण्डे नित नये आरोपों लगाते हुए देखी जा सकती हैं। इसके अलावा अन्य महिलाएं भी अपनी बात रख चुकी हैं। पड़ताल में पता चलता है कि घपलत की राजनीति और फायदे के लिये महिलाएं भी अग्रणीय रही हैं। आड़ करके फायदा लेने वाली महिलाओं ने जब चाहा भरपूर लाभ लिया है और पलट कर प्रहार करने में भी देरी नहीं लगाई। जब तक पिघलता हिमालय का यह अंक आपके हाथों में होगा तक तक नेताओं की घपलपच्ची के कई सुराग खुलते रहेंगे। आने वाले दिनों में बहुत कुछ होने वाला है।



- जातिगत हिंसा पर चुप्पी खुद पर आरोप लगते ही एक्ट याद : टम्टा
- रेखा-साहू प्रकरण में पर्दा डालने की कोशिश है सब : हरीश रावत
- सफेदपोशों ने कितनी अय्याशी की है उसकी चर्चा जनता करने लगी
- स्वर्गीय नेताओं, पूर्व विधायक-मंत्रियों के नामों का जाप भी होने लगा
- महिलाएं भी घपलत में अग्रणीय रही हैं, आड़ में फायदा फिर प्रहार

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

जोहार

पाछू गाँव का अतीत और वर्तमान यथास्थिति

जगदीश सिंह बजवाल

महान हिमालय की उत्पत्यकाओं में जोहार घाटी का एक गाँव पाछू जिसकी समुद्र तल से ऊँचाई लगभग 10830 फीट, 3350 मीटर है। 'पाछू' गाँव का नाम जुवान पर आते ही अन्तर्मन में असीम आस्था भाव उमड़ने लगता है। आधुनिक जोहारियों के लिए पांछू गाँव बहुत बड़ा धार्मिक आस्था का केन्द्र 'धर्मस्थल' था। नन्दादेवी पर्वत की तलहटी में नन्दादेवी अष्टमी की पूजा-अर्चना भक्तजनों के लिए श्रद्धा, विश्वास आस्था की कमी नहीं रही।

जोहार घाटी में माँ नन्दा देवी पूजा अर्चना सबसे पहले पाछू गाँव से ही प्रारम्भ हुआ, गढ़वाल 'लाता' गाँव का धरमू नित्वाल जब जोहार पाछू आकर रहने लगा तो दिवास्वप्न में माँ नन्दा ने उसे ध्वजा व पत्थर प्रतीकात्मक स्वरूप के लिए मजबूर किया। पूर्व में मिलम गाँव के निवासी पाछू नन्दा अष्टमी में ही सम्मिलित होते थे, बाद में आपसी अनबन कुजरिया धामी द्वारा ध्वजा, लींग पत्थर का छोटा हिस्सा तोड़कर मिलम ले जाकर नन्दा अष्टमी पूजा-पाठ का प्रचलन भी शुरू हुआ था। पाछू में रात्रि में अष्टमी मनाई जाती है, जो रहस्यात्मक है।

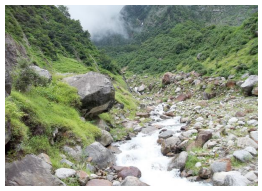
पाछू गाँव के चारो ओर सिंगूली (बिल्ल सुगन्धित पौधों की बगान) के पौधे सुगन्धित हवा का वातावरण बनाती है।

सन् 1670 में चन्द शासक बाज बहादुर चन्द के कैलास मानसरोवर यात्रा हेतु जोहार घाटी में पदार्पण होते ही पाछू गाँव को धार्मिक आस्था स्थल देख गाँव को गूंठ में चढ़ा दिया, राजाज्ञा जारी गाँव से कम कर राजस्व था, जो भी राजस्व (टैक्स) गाँव से वसूला जाएगा, सभी कैलास यात्रियों के सेवा-सुश्रवा में व्यय किया जाना सुनिश्चित होगा। गोराखाकाल में यथावत. तथा ब्रिटिश काल 1853 में पुनः बद्रीनाथ गूंठ में चढ़ाया गया था।

'हिरिया-बिरिया' पति-पत्नी पाछू गाँव क निवासी से सम्बन्धित कहानी गायक-नृतकी मधूर कण्ठ स्वर के स्वामी 'हिरिया का हरण' जब अचानक देवतात्मा स्वरूप रिगेश्वर देवता का प्रतीक तितली का देवमन्दिर के चढ़ावे फल-फूल पर मंडराकर उड़ जाना हर वर्ष लोगों के लिए रहस्य, कौतुहल था, तभी हिरिया के विषय में जानकारी का अहसास, माँ नन्दा चोटी दरबार में हिरिया को स्थान दिया जाना, जनश्रुति आज भी लोगों के बीच प्रचलित है। माँ नन्दा का अष्टमी पूजा-अराधना से पूर्व हिरिया देवतात्मा को पूजने का रिवाज आज भी जोहार घाटी के पाछू गाँव में है।

आधुनिक जोहारी, धामू रावत के पाँचवीं पीढ़ी में उत्पन्न दो भाई नाकचू व रेछू (नाकचू के सन्तान मिलम के मिलम्वाल, दोनो भाईयों में परस्पर द्वेष थपुवा को नाकचू के वंशजों ने मार दिया। यह मिलम में आज भी थपुवाडा)है।

थपुवा के वंशजों ने जिन्दा बकरी का खाल निकाल दिया है जिससे जिससे



निखुर्पा लामा गुरू ने गाँव से निष्कासित कर दिया तब से थपुवा के वंशज पांछू में रहने लगे थे।

दो भाई नीती गढ़वाल से रछपाल, उदू पाछू आए उन्हें भी हिस्सेदारी देकर अपने में सम्मिलित कर लिया, पाछू जोहार, घोरपट्टा में भी हिस्सेदारी दी गई। अतीत में पाछू गाँव मिलम का हिस्सा था।

थपुवा पंचपालों मूल पुरुष प्रभावशाली व्यक्ति था। मंछू पछपाल का गोरखाकाल में तथा उसका पौत्र हरकू ब्रिटिश काल में प्रभावी व्यक्ति थे।

गाँव की भौगोलिक स्थिति- गोरी गंगा व पाछू गंगा के सुन्दरतम् स्थल संगम व गोरी नदी के प्रथम पद तल में विशाल मैदान से द्वितीय छोटा तल समतल टापू पर जिसके पृष्ठ भाग में गाँव से लगा गगनचुम्बी काला आकृति नुमा, 'द्योल पर्वत' तलहटी में सिंगूली बगान के बीच प्राचीन माँ नन्दा देबी मन्दिर प्रतिष्ठापित उससे नीचे गाँव समतल। भूमि में स्थित है।

मिलम गाँव से निष्कासित के बाद उत्तर क्वीरगुफा का कहावत- पाछू से मिलम नदी किनारे मार्ग में थपुवा के सन्तान ने वर्षों तक इसी क्वीरगुफा में जीवन व्यतीत किए थे। पाछू में रहने वाले आज भी प्रवासीयो का कथन है।

गाँव के पूर्व दिशा में गोरी गंगा पार बिल्तिङ मैदान, बिल्जू गाँव, दर्शनीय स्थल बिल्जू गफफूधार, मानेधार तथा पश्चिम में नन्दा देवी, नन्दा कोट पांछू ग्लेशियर का अति मनोहारी दृश्य, उत्तर क्वीरगुफा गुफा, हरदेवल, त्रिशुली हिम पर्वत मिलम गाँव, ग्लेशियर, दक्षिण में गाँव से छूता पाछू गंगा, गनघर गाँव जोहार घाटी का सबसे सुन्दर बुगयाली मैदान, सोसा, मापा स्थित है।

कभी 56 परिवार से भरा पांछू में गाँव में आज मात्र 4 परिवार अनुसूचित जनजाति, जाति प्रवास पर आते हैं। अपने विरासत के प्रहरी के रूप में जो कठीन मेहनत, मजदूरी कर जीवन निर्वहन के साधनों को जुटाते हैं। पाछू पंचकी (घराट) में आज का सूनापन, गाँव का विरानता गाँव में पहुँचने वाले व्यक्ति को अतीत का स्मरण बड़ा कष्टदायक लगता है। भग्नावशेष, अवशेष अपने दर्द सांझा कर कुछ कहने में असमर्थ है तथा शान्त चुपचाप देख रहे हैं। मेरे अपने ही आज कितने बेगाने लगते है, सोच भी रहा हूँ कहीं आज पुनः मेरी जरूरत तो नहीं पड़ गई उन्हें अपनी पैनी नजर भी रक्खे है. ..आ बस जा, तेरा ही भला हो!

आज के पांछू जाने वाले प्रवासी अपने ऐतिहासिक गाँव में प्रहरी बनकर-पशुपालन, खेतोबाडी-जिम्बू, थोया, फांफर, गन्धरायन तथा कठोर मेहनत, मजदूरी से आय का मुख्य साधन जुटाते हैं।

20वीं सदी में स्व गुमान सिंह पंचपाल जो प्रतिभासम्पन्न व्यक्ति चित्रकार, मूर्तिकार, साहित्यकार तथा तिब्बती भाषा के अच्छे ज्ञाता भी थे। लोकगायक गोविन्द सिंह पंचपाल के मधुर कण्ठ से निकला गीत 'देलि थे कवा केकी बासेंछे, नहीं बास कला कांव-कांव' विशुद्ध जोहारी भाषा में गाया गीत संस्कृति के सच्चे प्रहरी के रूप में जीवन पर्यन्त अपने को बनाए रक्खा। हमें गौरवान्वित किया है सदैव महान व्यक्तित्वों को नमन करते हैं।

आज पाछू तक मोटरमार्ग, सोलर बिजली सुविधाएं और संसाधन धीरे-धीरे शायद जोहार के 'धर्मस्थल' पांछू को अपना खोया वैभव, सम्मान पुनः सम्भवतः कहीं लौटा न दे? नन्दा देबी बेस कैम्प पहुँचने का सुगम प्राचीन आस्था मार्ग पाछू ही माना जाता है, जो कटु सत्य है। देश-विदेश से पर्यटक यहाँ आकर लोगों के घर होम स्टे में ही रूकते हैं। जिन्हें 'अतिथि देवो भवः' जैसा सम्मान भी मिलता है।

ज्योतिष की बातें 307

16 नवम्बर 2025 को सूर्य मित्रराशि वृश्चिक में प्रवेश करेगा। वहाँ पर मित्रग्रह मंगल की दृष्टि भी रहेगी अतः सूर्य अत्यन्त बली रहेगा, उग्रता अधिक रहेगी। अगले एक माह तक सूर्य स्वास्थ्य, सफलता, यश, सन्मान आदि अपने कारक विषयों में कन्या, मिथुन, कुम्भ व मकर राशि के जातकों को अत्यन्त शुभ फल प्रदान करेगा।

22 नवम्बर 2026 को शुक्र पुनः स्वराशि तुला में प्रवेश करेगा अतः शुक्र अत्यन्त बलवान रहेगा। अगले 40 दिन शुक्र सांसारिक सुख, दाम्पत्य जीवन आदि अपने कारक विषयों में तुला, कन्या, सिंह, कर्क, मिथुन, मीन, कुम्भ, धनु व वृश्चिक राशि के जातकों को अत्यन्त शुभफल प्रदान करेगा। शेष तीन राशियों को भी सामान्य शुभफल प्रदान करेगा।

देवोत्थानी एकादशी- एकादशी अथवा द्वादशी तिथि का क्षय होने पर एकादशी का व्रत दसवींविद्धा एकादशी में ही रखा जाता है। कानपुर लखनऊ और उससे पूर्व के स्थानों पर द्वादशी तिथि का क्षय होने तथा कानपुर से पश्चिम के स्थानों पर एकादशी तिथि का क्षय होने के कारण सम्पूर्ण भारत में देवोत्थान एकादशी का व्रत कार्तिक शुक्लपक्ष दशमी तदोपरान्त एकादशी तिथि, शुक्रवार 20 नवम्बर 2026 को ही रखा जाएगा। पारणा के दिन अर्थात् अगले दिन शनिवार को तुलसी विवाह के उत्सव के साथ ही अभी तक स्थगित चल रहे विवाह आदि संस्कार तथा गृहप्रवेश आदि शुभकार्य प्रारम्भ हो जाएंगे।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार 189

किस देवता का नाम लें !

लोगों के मन में यह दुविधा रहती है कि एक देवता का नाम लेने पर दूसरे देवता नाराज न हो जाएं। इस विषय पर निम्न प्रकार विचार करना चाहिए-

1. हनुमान जी तब प्रसन्न होते हैं जब उनके सामने भगवान राम का नाम लिया जाए।
2. भगवान राम भी तभी प्रसन्न होते हैं जब उनके सामने हनुमान जी का जयकारा लगाया जाए।
3. भगवान राम ने स्वयं एक जगह कहा है कि सीता माता ही वास्तव में मूल प्रकृति हैं उन्हीं की पूजा अर्चना करनी चाहिए।
4. हनुमान जी भगवान शंकर के अवतार होने के कारण हनुमान जी के पूजन से भगवान शंकर अतीव प्रसन्न होते हैं।
5. भगवान शंकर ने कहा है कि भगवान राम का नाम न लेकर केवल मेरा नाम लेना व्यर्थ ही है।
6. ऐसा ही भगवान राम ने कहा है कि भगवान शंकर का पूजन न करने वाला मेरा भक्त मुझे प्रिय नहीं हो सकता।
7. भगवान सूर्य का नाम लेने पर भी भगवान राम स्वयं प्रसन्न हो जाते हैं क्योंकि सूर्य भगवान राम के पूर्वज हैं। भगवान राम को सूर्यवंशी इसीलिए कहा भी जाता है।
8. इसके साथ ही सभी देवताओं ने मिलकर कहा है कि मेरी पूजा करने के पहले भगवान गणेश की पूजा करें।

इस प्रकार सभी को यह बात अच्छी तरह समझ लेनी चाहिए कि पंचदेवताओं में से किसी एक की भी पूजा करने से सभी पांचो देवता शिव, दुर्गा, विष्णु, सूर्य व गणेश सभी प्रसन्न हो जाते हैं। संशय नहीं रखना चाहिए ।

-ओंकार नाथ कोष्टा

श्रद्धांजलि : ईमानदार नेता और जनहित के लड़ाके नारायण सिंह जन्तवाल

नैनीताल। ईमानदार नेताअ और जनहित के लड़ाके पूर्व विधायक डॉ. नारायण सिंह जन्तवाल अब यादों में रहेंगे। 66 वर्षीय जननेता का 7 नवम्बर 2026 की प्रातः दिल्ली में निधन हो गया। अपने स्वास्थ्य कारणों से वह दिल्ली में जाते थे लेकिन जन मुद्दों को लेकर होने वाले हर आयोजन में उनकी उपस्थिति दिखाई देती थी। उत्तराखण्ड क्रान्ति दल के शीर्ष नेता जन्तवाल अपने छात्र जीवन से ही सामाजिक कार्यों में जुटने के अलावा आम जनता के दुःख-दर्द को महसूस करते थे और पहाड़ के जल-जंगल-हक-हकूक के मुद्दों पर अग्रणीय रहते। उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन के अग्रणीय नेताओं में शामिल डॉ. नारायण सिंह जन्तवाल को उनकी सादगी और व्यवहार के कारण जनता ने हमेशा सराहा। वह विवादों से दूर रहकर हमेशा यूकेडी के ठोस नेता के रूप में खड़े रहे।

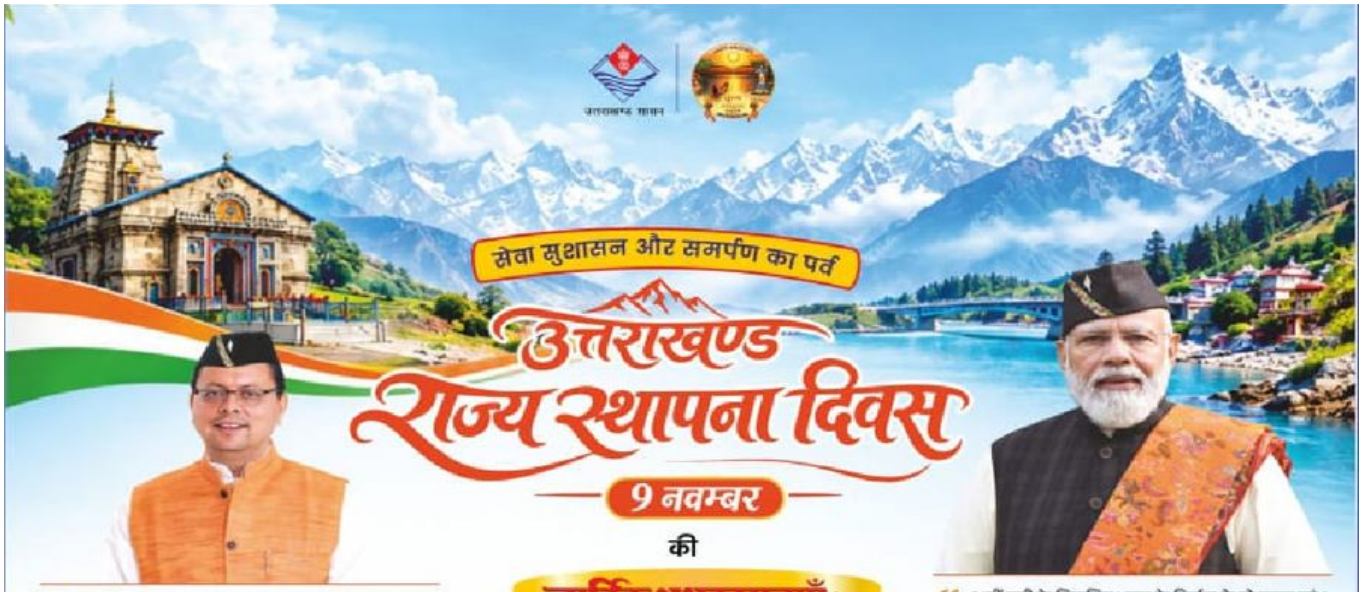
डॉ. नारायण सिंह जन्तवाल ने नैनीताल के सीआरएसटी इण्टर कालेज से प्रारम्भिक शिक्षा एवं डीएबी परिसर से उच्चशिक्षा प्राप्त की थी। डीएसबी में वह उपसचिव, सचिव, अध्यक्ष पद पर रहे। वर्ष 2002 में नैनीताल विधानससभा के मतदाताओं ने उन्हें विधायक चुना। पहाड़ में रहने और पहाड़ जैसी बात करने वाले जन्तवाल जी की पत्नी सावित्री कैड़ा जन्तवाल डीएसबी परिसर के इतिहास विभाग में प्रोफेसर हैं, बड़ी बेटी उत्तर शोधार्थी हैं एवं छोटी बेटी उर्वशी देहरादून में जैव प्रौद्योगिकी से स्नातक कर रही है।

इस समय डॉ. जन्तवाल जैसे नेता की इस राज्य को आवश्यकता थी लेकिन



उनका असमय जाना अपूरणीय क्षति है। उनका पूरा जीवन संघर्ष और समाज सुधार में रहा। राज्य आन्दोलन में वह जेल भी गये। विधायक बनने से पहले और उसके बाद भी वह जनमुद्दों के साथ आगे थे। कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ.डी.डी.पन्त से प्रभावित होगा जन्तवाल ने यूकेडी को ही हमेशा पार्टी माना और जनहित कार्यों को अपना उद्देश्य बनाया। नशा नहीं रोजगार दो, वनाधिकार आन्दोलन, जंगलों की नीलामी का विरोध आन्दोलन में वह सक्रिय रहे। उनकी सादगी और व्यक्तित्व के सब कायल रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री एनडी तिवारी ने भी जन्तवाल को पहाड़ के प्रतिभाशाली नेता बताया था। उनके पास कई बार कांग्रेस सहित अन्य पार्टी में जुड़ने का प्रस्ताव आया लेकिन पहाड़ जैसे अडिग नेता ने कभी भी डगमग नहीं की। वह पिघलता हिमालय के निकटतम साथियों और सहयोगियों में से एक थे। पिघलता हिमालय परिवार स्व. नारायण सिंह जन्तवाल के निधन पर शोक प्रकट करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)



सेवा सुशासन और समर्पण का पर्व

उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस

9 नवम्बर

की

हार्दिक शुभकामनाएँ

"उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश की देवतुल्य जनता को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड विकास, समृद्धि और आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। हम विकसित उत्तराखण्ड के संकल्प को साकार करते हुए वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आइए, राज्य स्थापना दिवस पर हम सभी एकजुट होकर अपने सपनों का उत्तराखण्ड बनाने का संकल्प लें।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक है।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

देवभूमि उत्तराखण्ड

विरासत का गौरव, विकास का विश्वास और आत्मनिर्भर भविष्य का संकल्प।

सुशासन और ऐतिहासिक निर्णय

- स्वतंत्र भारत में समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश का पहला राज्य।
- सशक्त भू-कानून, सख्त धर्मांतरण विरोधी एवं दंगारोधी कानून लागू।
- नकल विरोधी कानून से भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता।
- राज्य आंदोलनकारियों को सरकारी नौकरियों में 10% और महिलाओं को 30% क्षैतिज आरक्षण।

स्वास्थ्य और शिक्षा

- 63.32 लाख आयुष्मान कार्ड जारी।
- 17.36 लाख से अधिक मरीजों को ₹3,717 करोड़ से अधिक का कैशलेस उपचार।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने वाला देश का पहला राज्य।
- किच्छा एम्स सैटेलाइट सेंटर का 85% निर्माण कार्य पूर्ण।

पर्यटन और कनेक्टिविटी

- सोनप्रयाग-केदारनाथ और गोविंदघाट-हेमकुंड साहिब रोपवे परियोजनाओं का शिलान्यास।
- ₹11,963 करोड़ की लागत से दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का लोकार्पण।
- चारधाम यात्रा में 63 लाख से अधिक श्रद्धालुओं का आगमन।
- 6,161 होमस्टे के माध्यम से ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा।

विकास भी, विरासत भी

युवा शक्ति और रोजगार

- 5 वर्षों में 35,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी।
- मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना से 38,550 से अधिक लाभार्थी।
- 3.10 लाख से अधिक महिलाएं बनीं लखपति दीदी।
- अग्निवीरों को समूह-ग की वर्दीधारी सेवाओं में 10% क्षैतिज आरक्षण।

किसान, महिला और ग्रामीण सशक्तिकरण

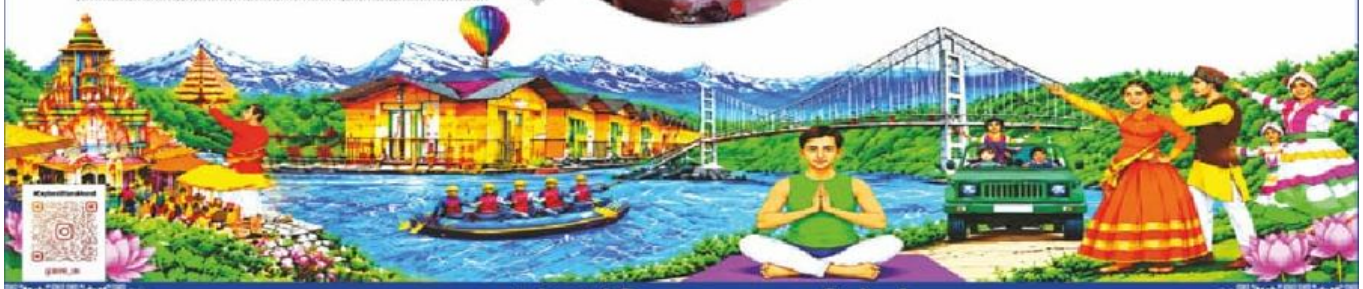
- 3.10 लाख से अधिक लखपति दीदी।
- एप्पल एवं कीवी मिशन के तहत किसानों को अनुदान।
- ₹170 करोड़ की ट्राउट प्रोत्साहन योजना।
- प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना से 1,860 गांव लाभान्वित।

निवेश और आर्थिक प्रगति

- ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में ₹3.56 लाख करोड़ के एमओयू।
- ₹1 लाख करोड़ से अधिक निवेश की ग्राउंडिंग।
- हाउस ऑफ हिमालयाज की बिक्री ₹6 करोड़ के पार।
- 1,027 मेगावाट से अधिक सौर ऊर्जा उत्पादन।

खेल और युवा प्रतिभा

- 38वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखण्ड ने जीते 103 पदक।
- हल्द्वानी में राज्य का पहला खेल विश्वविद्यालय।
- लोहाघाट में महिला स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना।



सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी।
www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

परिक्रमा



फचैऽक

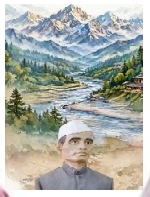
सरकारल बैन करौ जन्तर मन्तर, जां हुंछी आन्दोलन हड़ताल लोगबाग आपण दौंखार देखूंछी, सिस्टम थैं पुछ छी सवाल सिस्टम थैं पुछ छी सवाल, तबै सरकारल वां लगै देछ बैन आजादीक अस्सी सालन तक, नभै क्वे सरकार यतुक बेचौन किलै डर लागी सिस्टम कैं जो, विरोधकि ठौर भैछ छू मन्तर यसि बिकाव पैल बार भैछ, सरकारल बैन करौ जन्तर मन्तर।

गणेश पाण्डेय

हरि प्रदर्शनी

लीक पर चलने वाला सफल आयोजन

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ एकजुटता का परिचय



मल्ला जोहार विकास समिति की वार्षिक बैठक

एक भी अधिकारी के नहीं पहुंचने पर रोष प्रकट किया

मुनस्यारी। मल्ला जोहार विकास समिति की वार्षिक बैठक में इस बार एक भी अधिकारी के न पहुंचने पर समिति व माइग्रेशन पर आने वाले लोगों द्वारा रोष प्रकट किया गया। समिति द्वारा तमाम समस्याओं व सुझाव को लेकर प्रतिवर्ष यह महत्वपूर्ण बैठक हरि प्रदर्शनी के दौरान की जाती है। इस बार भी वार्षिक बैठक से पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों को पत्र भेजकर आने का निमन्त्रण दिया गया था कि दूरस्थ क्षेत्र की वस्तुस्थिति से उन्हें अवगत कराया जा सके और सरकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक हो।

गोकर्ण सिंह मर्तोलिया की अध्यक्षता व लोक बहादुर सिंह जंगपांगी के संचालन में हुई बैठक में सीमा जागरण मंच के प्रान्त संगठन मंत्री आशीष त्रिपाठी ने उपस्थित होकर अपने संगठन की योजनाओं और उद्देश्य को बताते हुए कहा कि अपनी सीमाओं की सुरक्षा के लिये उनका संगठन कार्य कर रहा है। अतिथि के रूप में उपस्थित केदार सिंह मर्तोलिया ने साफ शब्दों में कहा कि जो भी मल्ला जोहार की समस्याओं की बात कर रहे हैं पहले अपने खर्चे से उस जगह जाकर रुकें और देखें कि किन कठिनाईयों से क्षेत्र घिरा है। सीमा सुरक्षा की बात तभी सच होगी जब सुविधाएं होंगी और लोग वहाँ रहेंगे। कहा सीमा सुरक्षा के लिये यहाँ की मूलभूत समस्याओं को हल किया जाना चाहिये।

लोकबहादुर सहित सभी वक्ताओं ने आश्चर्य और रोष प्रकट किया कि वार्षिक बैठक में कहने के बावजूद किसी विभाग की उपस्थिति नहीं है। इसके लिये समिति जवाब मांगेगी।

बैठक में भगत सिंह लस्पाल, लास्पा की ग्राम प्रधान कविता, नाथ सिंह जंगपांगी, केदार सिंह बृजवाल, रमेश बृजवाल, पार्वती देवी, नेत्र सिंह ल्वाल, देवसिंह ल्वाल, लीला देवी धपवाल, तुलसी देवी जंगपांगी, सीता देवी बुर्फाल आदि ने अपने विचार रखे।

समाज के लिये समर्पित आत्माओं का स्मरण और विकास का संकल्प

मुनस्यारी। हरि स्मारक समिति का आयोजन हरि प्रदर्शनी का भव्य आयोजन इस बार भी हुआ। तीन दिवसीय यह आयोजन अपनी लीक पर चलते हुए एकता का सन्देश देने में सफल रहा।

मल्ला दुम्मर में समारोह का शुभारम्भ वरिष्ठ नागरिक दुर्गा सिंह जंगपांगी, ग्राम प्रधान पंकज बृजवाल, डॉ. पंकज उप्रेती द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। शुरुआत में जूनियर हाईस्कूल दुम्मर की छात्राओं की सरस्वती वन्दना और स्वागत गीत के बाद समिति के संरक्षक गोविन्द सिंह जंगपांगी ने प्रदर्शनी के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि स्व. तुलसी रावत, त्रिलोक सिंह बृजवाल और स्व. नर सिंह जंगपांगी के प्रयासों से 1953 में इस आयोजनकी शुरुआत हुई थी। उस समय स्व. तुलसी रावत ने घर-घर जाकर चन्दा एकत्र कर इस सांस्कृतिक आयोजन की नींव रखी। समिति के अध्यक्ष किशन सिंह जंगपांगी और प्रेम सिंह जंगपांगी ने कहा कि अगले वर्ष आयोजन का 75वां वर्ष और भी उत्साह के साथ मनाया जायेगा। सांस्कृतिक संध्या में लोक कलाकारों ने देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किये। आयोजन के द्वितीय दिवस पर प्रभातफेरी के साथ स्कूली बच्चों की प्रतियोगिता हुई। महिला मंगल दलों की दुस्का प्रतियोगिता का आकर्षण भी था। तल्ला दुम्मर और खसियाबाड़ा की झांकी ने सबका मन मोह लिया। बाल कलाकार देवी नित्वाल, खुशी जंगपांगी, दीवांशी आर्या की एकल प्रस्तुति, जूनियर हाईस्कूल दुम्मर और राजकीय विद्यालय दुम्मर के विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुति हुई। लक्ष्मण सिंह पांगती लछबू और भूमिका बुर्फाल के संचालन में हुए आयोजन के तीसरे दिन सांस्कृतिक जुलूस और झांकी के साथ विजेताओं और प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। प्रदर्शनी में लगाये गये लघु-कुटीर उद्योग के सामान, ऊनी सामग्री, कृषि सम्बन्धी उत्पाद, सब्जी-फूलमालाओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर केदार सिंह मर्तोलिया, रमेश सिंह बृजवाल, गंगा सिंह जंगपांगी, भरत सिंह लस्पाल, बहादुर सिंह क्वीरियाल, गोकर्ण सिंह मर्तोलिया, नरेन्द्र सिंह जंगपांगी, नाथ सिंह जंगपांगी, ललित सिंह जंगपांगी, भूपेन्द्र सिंह जंगपांगी, मनोज धर्मशक्तू, मनोज जंगपांगी, धाम सिंह बर्फाल, देवेन्द्र सिंह ल्वांल, डॉ. गोकर्ण सिंह जंगपांगी, देव सिंह कार्की सहित तमाम लोग उपस्थित थे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

रक्षा मंत्री को कॉफी टेबल बुक भेंट की

देहरादून। पूर्व सांसद तरुण विजय ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भारतीय वायु सेना और उत्तराखण्ड वार मेमोरियल की ओर से आयोजित वायु वीर विजेता कार रैली का कॉफी टेबल बुक भेंट की। वायुसेना की 92वीं वर्षगांठ और कारगिल विजय के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कार रैली आयोजित की गई थी।

भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस का अभियान

हल्द्वानी/देहरादून। उत्तराखण्ड कांग्रेस कमेटी इन दिनों भाजपा सरकार के मंत्रियों के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान चला रही है। ब्लाक, नगर व जिला स्तर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान के बाद 23 नवम्बर को प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता राजभवन तक पदयात्रा करेंगे।

गोलज्यू कॉरिडोर के तहत स्टेडियम विकास

चम्पावत। गोलज्यू कॉरिडोर परियोजना के तहत गोरलचौड़ स्टेडियम में काम शुरू हो चुका हे। इसमें स्टेडियम विकास से नई पहचान मिलने की बात कही जा रही है। इस कार्य से स्थानीय खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ ही गोरल चौड़ क्षेत्र के विकास और पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

यूकेडी(डी) ने भी घोषित किये प्रत्याशी

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रान्ति दल (डेमोक्रेटिक) ने भी यूकेडी के बाद अपने दस प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिये हैं। पार्टी के केन्द्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आशुतोष नेगी ने नामों की घोषणा करते हुए बताया कि रायपुर से आशुतोष नेगी, मसूरी से मेजर सन्तोष भण्डारी, कोटद्वार से रोहित डंडरियाल, जागेश्वर से मनमोहन नगरकोटी, अल्मोड़ा से नरेन्द्र बिष्ट, नरेन्द्रनगर से रतन सिंह और सल्ट से बीरेन्द्र बंगारी को चुनाव मैदान में उतारा गया है। इसके अलावा राज्य स्वराज पार्टी के तीन प्रमुख नेताओं बॉबी पंवार (चकराता), त्रिभुवन चौहान (केदारनाथ), भूपेन्द्र कोरंगा (कपकोट) को समर्थन देने का ऐलान किया है।

द्वाराहाट डिग्री कालेज प्राचार्य की खिलाफत

द्वाराहाट। राजकीय महाविद्यालय द्वाराहाट के प्राचार्य की खिलाफत वहाँ के स्टाफ द्वारा की गई की है। प्राध्यापकों और कर्मचारियों ने पीजी कालेज के प्राचार्य पर कालेज में शैक्षणिक माहौल तनावपूर्ण बनाने की की बात करते हुए धरना प्रदर्शन किया। कहा कि शिक्षकों के देय अवकाशों में मनमानी कटौती, सेमिनार में प्रतिभाग के लिये कर्तव्यावकाश देने से रोकने, परीक्षा ड्यूटी आवंटन में अनुचित दबाव बनाने और पदोन्नति प्रक्रियाओं व लोक सेवा आयोग के कार्यों में व्यवधान डालने का काम किया है। निदेशक को ज्ञापन भेजने वालों में प्रो.नाजिश खान, हेमलता, शरद भट्ट, सुलतान सिंह यादव आदि हैं।

धारचूला विधानसभा सीट पर वीरेन्द्रानन्द

धारचूला। आगामी विधानसभा चुनाव के लिये धारचूला विधानसभा सीट पर कांग्रेस की ओर से विकधाय हरीश धामी तय उम्मीदवार माने जा रहे हैं, वहीं भाजपा की ओर से लम्बी सूची में वीरेन्द्रानन्द महाराज (वीरेन्द्र सिंह पाल) के नाम का माहौल तेज दिखाई दे रहा है। टिकट की लाइन में प्रदीप पाल का भी हैं और उन्हें सीएम के निकट का माना जाता है। बावजूत वीरेन्द्रानन्द की पकड़ और उनके अनुभव से वह मजबूत दावेदार दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने 2017 में भी चुनाव लड़ा था। टिकट की लाइन में तो धनसिंह धामी, रुद्रसिंह बिष्ट, महेन्द्र सिंह बुदियाल, खुशाल सिंह भी हैं।

कमिश्नर रावत के नाम पर हलचल

हल्द्वानी। कमिश्नर दीपक रावत के चुनाव मैदान में उतरने की चर्चाओं से हलचल है। कहा जा रहा है कि सीएम धामी की टीम में जुड़कर वह लालकुआ सीट से चुनाव लड़ेंगे। यह बात एकाएक गले नहीं उतर रही है कि कमिश्नर जैसे पद पर रहते हुए श्री रावत ऐसा निर्णय ले लेंगे लेकिन किसी भी बात को अन्तिम सत्य न मानकर अनुमान तो लगाया ही जा सकता है। जो कुछ भी होगा वह तो दिखाई देगा लेकिन यह सच सभी जानते हैं कि जनता की समस्याओं को सुलझाने की बैठक व रंगारंग कार्यक्रमों में मंच पर दिखाई देने वाले दीपक रावत हमेशा से चर्चाओं में रहे हैं।

जौलजीवी मेले से पहले जनता की मांग

ऐतिहासिक मेला स्थल की सुध लो

जौलजीवी। काली-गोरी नदी के संगम स्थल जौलजीवी में मेला शुरू होने जा रहा है। भारत-नेपाल की सांझा विरासत को दर्शाने वाले इस मेले से पूर्व क्षेत्रवासियों ने शासन-प्रशासन से इस ऐतिहासिक मेला स्थल की सुध लेने की अपील की है। उनका कहना है कि यह केवल व्यापारिक मेला स्थल नहीं बल्कि सीमा का महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल है। कैलास जाने वाले श्रद्धालुओं का पहला पड़ाव भी है किन्तु इसे उपेक्षित करते हुए सीधे यात्रा करवाई जा रही है। यदि जौलजीवी के पुरातन इतिहास को देखते हुए इसे आदि कैलास यात्रा के लिये पहले सुगम पड़ाव के रूप में विकसित किया जाए तो इससे पर्यटन के साथ-साथ युवाओं के लिये रोजगार के द्वार खुलेंगे। नदी पर तटबन्ध, पुल, लाइटिंग, संचार, व मेला स्थल के सौन्दर्यीकरण सहित बहुत सारे कार्य होने हैं लेकिन जौलजीवी को केवल मेले के अवसर पर याद कर भुला दिया जाता रहा है।

उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

विश्वसनीयता का नाम, उचित दाम



रामा एग्रो इंडस्ट्रीज



झनकट खटीमा

(उधमसिंह नगर)

दीपावली

दीपावली है दिए जलाएं
बिछुड़ गए जो गले लगाएं।
प्रेम अहिंसा की बाती से
सत्य की सब जोत जलाएं।।
सत्कर्मों के दिए जला कर
आलस तम को दूर भगाएं।
मानव से मानव मिला कर
इस वसुधा को स्वर्ग बनाएं।।
जगमग जगमग सबके मन में
दीप पर्व के दिए जलाएं।
प्यार प्रेम के खील खिलौने खाएं
बांटें खुशी मनाएं।।
दीप पर्व पर सबका वन्दन
दीप पर्व पर हो अभिनन्दन।
हर बर्ष मनाते रहें दिवाली
यही शुभकामना का हो वर्धन।।

-रतन सिंह किरमोलिया



Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

भूपेन्द्र सिंह जंगपांगी

1525 इन्द्रानगर कालोनी
सीमाद्वार,
देहरादून

Hotel Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत होम स्टे
धरमघर/चौकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148 www.mountainheights.in



न तेरा न मेरा Thats मो. 9458920379
APNA GHAR 6396098804
चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया
YOGA MEDITATION HOMELY FOOD LIVE MUSIC BIRTHDAY WEDDING

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236 मो.- 8958525979, 9411134775

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
नरेन्द्र सिंह रावत
सम्पर्क 7351285555

The आma Palace
HOTEL & RESTAURANT
Munsyari
M0- 766681353
theaamapalacehotel@gmail.com
Website- theaamapalacehotel.com

मिलम बेक हाउस (नियर- टैक्सी स्टैंड चौराहा) मुनस्यारी
सम्पर्क- 8941807388
MILAM BAKE HOUSE CRAFTED IN THE MOUNTAINS
पहाड़ों में तैयार, स्वाद से भरपूर। हिमालय की वादियों से आपके स्वाद तक। आपके लिये लेकर आया है ताजे स्वादिष्ट और गुणवत्तापूर्ण बेकरी उत्पाद।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)